

पीएलएफआइ का एरिया कमांडर आलोक यादव गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। पुलिस ने 21 कांडों में वालिंग पीएलएफआइ का एरिया कमांडर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार एरिया कमांडर का नाम आलोक यादव उर्फ़ चंद्रशेखर कुमार यादव है। एरिया कमांडर आलोक यादव ने लेवी वसूलने के लिए 50000 की मांग किया था। लेवी नहीं देने पर जान से मारने और इंट भट्टा को बाम से उड़ाने की

वाहन चोर गिरोह के आठ सदस्य गिरफ्तार

आठ बाइक संगेत 10 वाहन बराबर

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रांची पुलिस ने आठ वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार चोरों का नाम सुमित मिश्र उर्फ़ बाबू, मोहम्मद गुर्ज़, मोहम्मद वरिस, अनिल शर्मा, सनी महली, वीर सिंह महली, सुनील कुमार महली और विनय कुमार महली है। गिरफ्तार सभी चोर रांची जिले के रहने वाले हैं। 8 जून को कोतवाली थाना को जानकारी मिली थी कि कच्छरी के बाल इस्के पर कुमार महली और विनय कुमार महली की गिरफ्तारी की गयी और भी बाइक बरामद की गयी। रांची पुलिस ने कुल 10 वाहन बरामद किया है। जिसमें 8 बाइक, एक स्कूटर और एक टॉयो है। इस मामले की जानकारी

राजद ने मनाया पार्टी सुप्रीमो लालू यादव का 76वां जन्मदिन

आजाद सिपाही संवाददाता



में जरूरतमंदों को भोजन कराया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप में रूप से युवा राजद के प्रधान महासचिव फिरोज अंसारी, युवा राजद के राष्ट्रीय महासचिव विशु विशल राजद, उपाध्यक्ष अनीता यादव, महासचिव डॉ मनोज, इरफान अंसारी, महासचिव सह प्रवक्ता मंत्रीषय यादव, उपाध्यक्ष जपीर खान, सुनील यादव, डॉ अविनाश, राजकिशोर सिंह यादव, अजय यादव, गयत्री देवी, राजकुमार यादव, अशद अंसारी, मनोज पांडे, संतोष राम, फरहान यादव, यादव, ममता कुरुज, उर्मिला सोरेंग, सोरेज यादव, अनिल शर्मा, रामकुमार यादव, सुधीर गोप, मनोज अंसारा, शालिग्राम पांडे, नेसार अहमद मंत्रीषय यादव महासचिव मौजूद रहे।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राजद के राष्ट्रीय महासचिव अध्यय सिंह उपस्थित रहे। युवा राजद अध्यक्ष रंजन कुमार ने कहा कि लालू यादव करोड़ों लोगों के दिलों पर राज करते हैं। उन्होंने हमेशा दलितों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों, गरीबों का उथान करने का काम किया। इसलिए उनको गरीबों के मसीहा के रूप में जाना जाता है। राजन कुमार ने कहा कि उन्होंने हमेशा साप्रदायिक शक्तियों से संरक्षण कर प्रदेश-देश में अम-चैन, भाईचारा, स्थापित करने का काम किया। उन्होंने के

33 अज्ञात शवों का मुक्ति
संस्था ने किया अंतिम संस्कार



आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मुक्ति संस्था ने गिरवार का जुमार नदी तट पर 33 अज्ञात शवों का सामूहिक दाव संस्कार पूरे रीति रिवायत किया। संस्था के अध्यक्ष प्रवीण लोहिया ने मुख्यमंत्री की पूर्णांगी की विवाह किया। संस्था ने अवधारणा के अंतर्गत शवों का अंतिम संस्कार किया। उन्होंने बताया कि संस्था ने अब तक 1567 अज्ञात शवों का अंतिम संस्कार किया है। अंतिम अरदास परमजीत सिंह टिकूने की।

दाव संस्कार के लिए संस्था के सदस्य सुबह से ही शवों को पैक करने में लग गये फिर सभी शवों को जुमार नदी तट ले जाकर सामूहिक चिंता सजायी गयी। अंत

में पूरे विधि-विधान से सामूहिक रूप से शवों का अंतिम संस्कार किया गया। इस मौके पर गिरवार का सामूहिक दाव संस्कार पूरे रीति रिवायत किया। संस्था के अध्यक्ष प्रवीण लोहिया ने मुख्यमंत्री की विवाह किया। संस्था ने अवधारणा के अंतर्गत शवों का अंतिम संस्कार किया। उन्होंने बताया कि संस्था ने अब तक 1567 अज्ञात शवों का अंतिम संस्कार किया है। अंतिम अरदास परमजीत सिंह टिकूने की।

दाव संस्कार के लिए संस्था के सदस्य सुबह से ही शवों को पैक करने में लग गये फिर सभी शवों को जुमार नदी तट ले जाकर सामूहिक चिंता सजायी गयी। अंत

टिकूने की विवाह किया।

दाव संस्कार के लिए संस्था के

सदस्य सुबह से ही शवों को पैक

करने में लग गये फिर सभी शवों को जुमार नदी तट ले जाकर सामूहिक चिंता सजायी गयी। अंत

टिकूने की विवाह किया।

दाव संस्कार के लिए संस्था के

सदस्य सुबह से ही शवों को पैक

करने में लग गये फिर सभी शवों को जुमार नदी तट ले जाकर सामूहिक चिंता सजायी गयी। अंत

टिकूने की विवाह किया।

दाव संस्कार के लिए संस्था के

सदस्य सुबह से ही शवों को पैक

करने में लग गये फिर सभी शवों को जुमार नदी तट ले जाकर सामूहिक चिंता सजायी गयी। अंत

टिकूने की विवाह किया।

दाव संस्कार के लिए संस्था के

सदस्य सुबह से ही शवों को पैक

करने में लग गये फिर सभी शवों को जुमार नदी तट ले जाकर सामूहिक चिंता सजायी गयी। अंत

टिकूने की विवाह किया।

दाव संस्कार के लिए संस्था के

सदस्य सुबह से ही शवों को पैक

करने में लग गये फिर सभी शवों को जुमार नदी तट ले जाकर सामूहिक चिंता सजायी गयी। अंत

टिकूने की विवाह किया।

दाव संस्कार के लिए संस्था के

सदस्य सुबह से ही शवों को पैक

करने में लग गये फिर सभी शवों को जुमार नदी तट ले जाकर सामूहिक चिंता सजायी गयी। अंत

टिकूने की विवाह किया।

दाव संस्कार के लिए संस्था के

सदस्य सुबह से ही शवों को पैक

करने में लग गये फिर सभी शवों को जुमार नदी तट ले जाकर सामूहिक चिंता सजायी गयी। अंत

टिकूने की विवाह किया।

दाव संस्कार के लिए संस्था के

सदस्य सुबह से ही शवों को पैक

करने में लग गये फिर सभी शवों को जुमार नदी तट ले जाकर सामूहिक चिंता सजायी गयी। अंत

टिकूने की विवाह किया।

दाव संस्कार के लिए संस्था के

सदस्य सुबह से ही शवों को पैक

करने में लग गये फिर सभी शवों को जुमार नदी तट ले जाकर सामूहिक चिंता सजायी गयी। अंत

टिकूने की विवाह किया।

दाव संस्कार के लिए संस्था के

सदस्य सुबह से ही शवों को पैक

करने में लग गये फिर सभी शवों को जुमार नदी तट ले जाकर सामूहिक चिंता सजायी गयी। अंत

टिकूने की विवाह किया।

दाव संस्कार के लिए संस्था के

सदस्य सुबह से ही शवों को पैक

करने में लग गये फिर सभी शवों को जुमार नदी तट ले जाकर सामूहिक चिंता सजायी गयी। अंत

टिकूने की विवाह किया।

दाव संस्कार के लिए संस्था के

सदस्य सुबह से ही शवों को पैक

करने में लग गये फिर सभी शवों को जुमार नदी तट ले जाकर सामूहिक चिंता सजायी गयी। अंत

टिकूने की विवाह किया।

दाव संस्कार के लिए संस्था के

सदस्य सुबह से ही शवों को पैक

करने में लग गये फिर सभी शवों को जुमार नदी तट ले जाकर सामूहिक चिंता सजायी गयी। अंत

टिकूने की विवाह किया।

दाव संस्कार के लिए संस्था के

सदस्य सुबह से ही शवों को पैक

करने में लग गये फिर सभी शवों को जुमार नदी तट ले जाकर स

